

DPN 5720

Title: वीर वीरेश्वरो नाथोत्थाचर्चन विधि / VĪRA VĪRESVARO NĀTHOTYĀ
RCCANA VIDHI

Run. No. 6411

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Ritual

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नेपाल भाषा निर्देश २९

New Direction

Size in cms. 15 x 7

Folios 14

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ नमः शिवाय सत्त्व ॥ ॐ कुंज ॐ धर्म ॐ सिद्धि लायैव च ॥ ...
ॐ नमस्तुभ्य ॥ येन ज्ञानायाम् याम् ॥ ...

Cms.

5

10

15

20

15

10

5

॥ श्री गुरु नानक देव जी ॥
॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ कुरु मे भगवन् प्रसादात् ॥
॥ साधुसंगे भक्तिमय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

0 CM TS

5

10

15

20

ॐ नमः श्रीवडामताया ॥ गुणवद्धगुण्यम् ।
संघासुधिवचः ॥ गुणवडाधनल्लि वगुणमर्वत्तमा
ह ॥ गुणनमस्तुभ्याय ॥ ० ॥ थनपोलीयामया
य ॥ ० ॥ ॐ गुणमुनिमस्तुगुणाहा ॥ उंबवडा
दकज्मतंरुवक्तुहंस्वाहा ३ ॥ तीखल्पाधनयाय

॥ ० ॥ ॐ यथा हि ज्ञातमात्रं सत्त्वायितामवेत यथा ग
 तारिष्य कसमय एष्यं ॥ १ ॥ भाउमल्लिखनराय ॥ ० ॥
 ॐ कीम्भुतं कीवकीयं स्वाहा ॥ ३ ॥ लीखताम ॥ ० ॥
 ॐ कीम्भुतं ॥ लीखताम ॥ ० ॥ भाउं कायाविलम्ब
 नस्वाहा ॥ श्रीसयिय ॥ ० ॥ ॐ योः कलियुतीव्वाहा ॥

15
10
पूजाहस्तिलेखनहाय ॥ ० ॥ उं तमा रुगवत पृष्ठाक
रुजाजायत थगताया रुनें समुखं वृद्धाय ॥ तद्यथा
उं पृष्ठा रमहायुष्यसु पृष्ठा पृष्ठा वरुवं पृष्ठा र
वपृष्ठा वकि गरी सारु ॥ पूजाहस्तिलेखन ॥ ० ॥ ॥
उं श्री ४ हं तिकाया धिस्तान ॥ स्नातविकूटितरुहावव

5
वलिमत ॥ ० ॥ उं सर्वया पालयतय हं ॥ २ ॥ उवः
वाडा खववाहा स्नाततिते ॥ ० ॥ उं तिसूवडासः
नस्माहा ॥ आसतयाय ॥ आसतमत ॥ ० ॥ उं मलिः
धतिवडितीमहायुतिमववकर सी हं रुहू सारु ॥ थः
मवरा ॥ ० ॥ उं तिनकविरुषला सारु ॥ वतनतः

य ० ॥ उं पाच्छात्र हं सर्वविद्यानुत्सावय हं उं व उ ॥
 लभ हं क उ लेख हं सु लेख सु लेख सर्वे तथा गता वि ॥
 निष्कृष्टा ॥ म लु लेख लेखने हायके ॥ ० ॥ म लु
 लेख ले ॥ दार्नीष्म मय म मू नाच सहि न शा लेख स म
 ऊर्न क्कानि क्क डायि पीडि कोय नय न वीर्य कि ला ॥

कायनी रक्षार्त न क्न न म क चि क्क क व र्ण य ह्म सु लेखा
 क्कला नृतायात्त मिता य उ व ले क्क क्क तामू ते म्म लु
 ले ॥ रु व न्ति क न क व र्ण सर्वे भागे विमुक्क सुव म न
 क्क विा डि य्च न्द व द्दि यि का किं । य न क न क म म्म द्वा
 काय न्ने पा ड वं ल म्म ग न व व ग्ग ह्मि काय क म्म नि

कृत्वा उँ वन्दार्क विमलं स्वरु ॥ मलुत्तयेत्तावस्था
नयुत्तकं ॥ ० ॥ यतस्तानवोभ्या ॥ उँ ह मधमं न वें न
मशा उँ हां अर्धमं न वें न मशा उँ हूँ उद्धमं न वें न मशा ॥ ५
उँ हूँ उद्धमं न वें न मशा उँ ययूर्वविदं हयनमशा उँ ५
नंजमुद्धीयायनमशा उँ नञ्जयनगम दावलीयायन

मशा उँ वँ उद्धनगुनवें नमशा उँ या उय द्दीयायनमः
॥ उँ ना उय द्दीयायनमशा उँ ला उय द्दीयायनमशा
उँ वा उय द्दीयायनमशा उँ यगज नत्तायनमशा उँ न
युत्रष नत्तायनमशा उँ लञ्जयनत्तायनमशा वस्ती
नत्तायनमशा याखञ्जयनत्तायनमशा लामनिनत्ता

लीकमलायतमः सम्यक्ज्ञानावहासतकवायनमः
 हंतकुसु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 हानमस्तुमिष्टुनाथयसिद्धम ॥ यस्ययसादकि
 वारिशरुलिततात्मगतत्वययशयविकन्युहगान्ध
 कावायश्चन्यताविल्लगं सवितासम्भैतस्मै नमस्तु

[illegible]

ॐ श्रावमर्त्युतीक्ष्णस्वाहा ॥ श्रुकात्रां मुखसर्वधर्म्मना
 माद्यनूत्यन्तस्वा ॥ ॐ श्रा ४ ईं रुट् स्वाहा ॥ त्रिखराय क ॥
 ॥ ० ॥ स्नानवाय ॥ ॐ ॐ न्द्राय स्वाहा ॥ ॐ यमाय स्वाहा
 ॐ वनूक्षाय स्वाहा ॥ ॐ कवेनाय स्वाहा ॥ ॐ अग्नेय स्वा
 हा ॐ नैमृग्य स्वाहा ॥ ॐ वायवे स्वाहा ॥ ॐ ॐ भनाधिय

नस्थानमस्वाहा ॥ धूमस्नानवाय ॥ ० ॥ धनदिक्षा
 यागुल्लिङ्गाय याय ॥ ० ॥ धनदेवदकास्वधामलु
 ल्पथल्लेदवयूङ्गायाय ॥ ० ॥ धनस्नानगर्तं ॥ भोगः
 यायाहुयायागुचितिसी ॥ देवदेवीया ॥ मानकोना
 उयाय ॥ ० ॥ धनकृमाय न ॥ वीनवीनस्वभाताय
 मन्त्रहीनद्वियाहीनरुसर्वकुरुमहेसि ॥

यात्रतविधिसनायकाः ॥ ६६ ॥ गुरु ॥ ८८ ॥

15

10

5

वृत्तान्तसंग्रहः ॥ अथ वृत्तान्तसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥

संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥
संस्कृतसंग्रहः ॥ अथ संस्कृतसंग्रहः ॥

15

10

5

0

मखद मूत्र नः॥ अक्रियनम वरच
पयि नः॥ कानि नाति निन मूत्रा
नरुद श्रीः क नका रु प्रय चठ नू
ख मरि वि व ना वृ न ॥ ६ ॥ वृ मि म वि न
वि न ना य कः नि नि स क मा ना वि न व न

क नू न स का अ व न वा न ह न न ह न
स मा नू न ह न ॥ ७ ॥ अ ना न
ना ना ॥ स वा क थ मा ना मू वः रु न पी च ठ ग्रा
ज ह रु हा ना नि ना र व न ठ नी ग्रा उ मा ना

श्री कृष्ण

CMTS

E

10

15

20

15

10

5

मूरवतायाः च द मूरुद य म नी या र व
पा प नी ना पु त त्रि ताः ति रु व न म क रू तू
कै न क्कान व त द थ व ॥ क ॥ यु म त र म द
त र द थ याः ३ थि गि क पा ग न ज धि त नु पि नि क त गि
कै पा न र व द ग पा रै र प ह्ना ह्ना न द न द य नि

॥ ॥ द ग म त रा म कू र क ल थिः कू कू
द न कै थि पा न नि ॥ ॥ ॥ ॥ त रा व क म र ल म गी व
नु द न त मू ति या ता ॥ क ॥ म व त थ म ग
त रू न निः प्र वि व त द र ल व म र ल क ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 क्लृप्ताः सन्निवृत्ताः सन्निवृत्ताः सन्निवृत्ताः ॥
 अस्मिन्मन्त्रेण भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं ॥
 भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं ॥
 भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं ॥
 भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं भगवत्पूजितं ॥

15

10

5

रुमामा चुराये विनायनेदशा
अरुनवमाकाकातननपावकमान
विरोनकुतुववनपडा लीपुता
अममसूत्रिवनैवधनात्रुहमनि
सागाहीनातका(ला)वद

पुनलासमाममानिः ३५
अत्रतवीविवनलमक
दकुनदापुधकागाममानि
अवयनैवमदिमाशला ३५